न्यूज डायरी

चर्चा में गूगल के तीसरे फाउंडर, तलाक केस के बीच पत्नी ने लगाया नया आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सैन फ्रांसिस्को। हम सभी गूगल के दो कोफाउंडर लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन के बारे में जानते हैं। लेकिन इन दोनों के साथ गूगल को शुरू करने में एक हाथ और था। यह था स्कॉट हसन जो अबतक लगभग गुमनाम थे। लगभग भुलाए जा चुके हसन आजकल सुर्खियों में हैं, बहरहाल उनके खबरों में रहने की यह वजह कुछ ठीक नहीं है। हसन की पत्नी फिलहाल उन्हें कोर्ट ले गई है। हसन पर आरोप है कि दोनों के बीच चल रही तलाक की कार्यवाही के बीच उनके पति ने अपने रोबोटिक स्टार्टअप को जानबूझकर एक 'फायर सेल' (जहां भारी छूट पर चीजों की ब्रिकी की जाती है) में बेच दिया है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, डेलावेयर में दर्ज एक शिकायत में एलिसन हुआन ने कहा है कि उनके पति जो प्रौद्योगिकी कंपनी के सीईओ हैं, ने कंपनी की मूल संपत्ति को चार लाख डॉलर के 'न बेचे जाने योग्य' मूल्य पर डेनमार्क स्थित कंपनी ब्लू ओशन को बेच दिया है।

सीएए, अयोध्या फैसले पर अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम संगठन ओआईसी ने जताई चिंता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। मुस्लिम बहुल देशों के संगठन ने संशोधित नागरिकता कानून पर चिंता जताई है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने रविवार को कहा कि वह भारत में मुसलमानों को प्रभावित करने वाले ताजा घटनाक्रमों की नजदीक से निगरानी कर रहा है। इसके साथ ही संगठन ने संशोधित नागरिकता कानून एवं अयोध्या फैसले पर चिंता जाहिर की है। इस्लामिक सहयोग संगठन पाकिस्तान समेत 57 देशों के मुस्लिम बहुल देशों का संगठन है। भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी विवाद के मामले में यह संगठन अक्सर पाकिस्तान का पक्ष लेता है। ओआईसी ने संक्षिप्त बयान जारी कर कहा, 'इस्लामिक सहयोग संगठन सचिवालय भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले ताजा घटनाक्रमों की नजदीक से निगरानी कर रहा है।' बयान में कहा गया है कि इस्लामिक देशों के निकाय ने भारत में हाल ही में आए संशोधित नागरिकता कानून तथा अयोध्या मामले पर चिंता जताई है।

जम्मू–कश्मीर के निवासियों के लिए वीजा नीति में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश विभाग ने रविवार को जारी बयान में कहा कि जम्मू–कश्मीर के निवासियों के लिए वीजा नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पाकिस्तान के विदेश विभाग की यह प्रतिक्रिया मीडिया में आई उन खबरों के बाद आई है जिसमें कहा गया था कि पाकिस्तान ने जम्मू–कश्मीर के निवासियों के लिए वीजा नीति में बदलाव किया है। बयान में कहा गया, 'इस संबंध में आई खबरें आधारहीन और असत्य हैं। पाकिस्तान उच्चायोग सरकार की नीति और भारत–पाकिस्तान के बीच हुए द्विपक्षीय समझौतों के अनुरूप जम्मू–कश्मीर के निवासियों को वीजा देना जारी रखेगा। इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।' विदेश विभाग ने यह भी कहा कि नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग क्षेत्र के निवासियों को वीजा जारी करने के दौरान पांच अगस्त को भारत द्वारा जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने और अनुच्छेद–370 हटाने के फैसले के बाद उत्पन्न स्थिति को भी मद्देनजर रखेगा।

सीरिया पर इजराइली मिसाइल हमले में तीन लोगों की मौतः निगरानीकर्ता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेरुत। युद्ध निगरानीकर्ता ने सोमवार को कहा कि सीरिया में बीती रात हुए हवाई हमलों में सरकार समर्थक कम के कम तीन विदेशी लड़ाकों की मौत हो गई। देश के युद्धग्रस्त दक्षिणी इलाके में इन हमलों के लिए इजराइल को जिम्मेदार बताया जा रहा है। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि रविवार रात सीरियाई सरकार और दमिश्क के दक्षिण में ईरानी ठिकानों पर हमले हुए। संस्था ने कहा कि अकराबा और निकटवर्ती साय्यैदा जैनब के बीच हुए रॉकेट हमले में तीन गैर–सीरियाई लड़ाके मारे गए। संस्था की तरफ से मारे गए लड़ाकों को नागरिकता का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन कहा गया कि वे संभवतरू ईरानी थे। सीरियाई सरकारी समाचार एजेंसी 'सना' ने बताया कि यह हमला आधी रात के ठीक पहले हुआ।

पाक के जवाब पर एफएटीएफ ने फिर पूछ डाले 150 सवाल

टेरर फाइनैंसिंग

पाक में स्थापित आतंकी ढांचे पर निर्णायक कार्रवाई के लिए फरवरी 2020 तक की डेडलाइन तय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। दुनियाभर में आंतकवाद के वित्तपोषण (टेरर फाइनैंसिंग) और धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामलों पर नजर रखने वाली संस्था फाइनैंशल ऐक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने पाकिस्तान से फिर से 150 सवाल पूछ डाले हैं। इनमें ज्यादातर सवाल पाकिस्तान की इमरान खान सरकार की ओर से आतंकवाद पर की गई कार्रवाइयों से संबंधित हैं। पाकिस्तान को इन सवालों के जवाब 8 जनवरी तक देने होंगे।

मदरसाओं को भी साफ-सुथरा करने का निर्देश

एफएटीएफ ने पाकिस्तानी अथॉरिटीज से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि जो लोग भी आतंकवादी संगठनों से जुड़े हैं उन्हें कोर्ट में दोषी ठहराया जाए। इस वैश्विक संस्थान ने पाकिस्तान में चल रहे मदरसाओं को साफ–सुथरा बनाने के लिए की गई कानूनी–कार्रवाइयों के भी डीटेल मांगे हैं।

पाकिस्तान से सवाल पर सवाल

पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने वहां के वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से खबर दी कि पाकिस्तान ने 7 दिसंबर को ही एफएटीएफ के 22 सवालों का जवाब दिया था। उन्हीं जवाबों पर एफएटीएफ ने दोबारा 150 सवाल पूछ डाले। अब पाकिस्तान को मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनैंसिंग पर नए सवालों के जवाब देने होंगे।

7 दिसंबर को ही दिए थे जवाब

पाकिस्तान एफएटीएफ को यह भी बताएगा कि उसने पैसे की सीमा पार अवैध आवाजाही पर रोक के लिए कौन–कौन से कदम उठाए। 7 दिसंबर को पाकिस्तान ने जो कंप्लायंस रिपोर्ट सौंपी थी, उसमें संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी समूहों पर इमरान सरकार के ऐक्शन और उन्हें कोर्ट से मिली सजा के बारे में भी विस्तृत जानकारी शामिल थी।

अगली मीटिंग में ब्लैक लिस्ट हो सकता है पाकिस्तान

एफएटीएफ की मीटिंग अगले साल फरवरी में होने वाली है जिसमें यह तय होगा कि पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट में डाला जाए या नहीं। पिछले वर्ष फरवरी में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डाला गया था।

पाकिस्तान इस उम्मीद में है कि अगली बैठक में भी उसे ब्लैक लिस्ट में डालने का फैसला टल जाएगा और उसे जून 2020 तक की नई मियाद मिल जाएगी। हालांकि, एफएटीएफ ने पिछली मीटिंग में पाकिस्तान को सख्त लहजे में कहा था कि अगर उसने तय समयसीमा में ऐंटी–मनी लॉन्ड्रिंग और काउंटर–टेरर फाइनैंसिंग के 27 में से बाकी बचे 22 बिंदुओं पर उचित कार्रवाई नहीं की तो उसे ब्लैकलिस्ट में डाल दिया जाएगा।

म्यूजियम में इमोजी के जरिए मिस्र के इतिहास को समझाने की पहल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

यरुशलम। इतिहास के बहुत से तथ्यों से हम अनजान रहते हैं क्योंकि भाषा और लिपि के राज अनसुलझे रह जाते हैं। हालांकि, इजरायल के म्यूजियम में अब मिस्र के इतिहास के अनसुलझे रहस्यों को आधुनिक युग के इमोजी के जरिए सुलझाने की कोशिश है। इजरायल के म्यूजियम में इस सप्ताह खास तौर पर इमोजीलिफ्सश प्रदर्शनी लगाई गई है जिसमें मौजूदा दौर में प्रयोग होनेवाले इमोजी और मिस्र की सभ्यता में समानता को समझाया गया है।

चित्रलिपियों से इतिहास समझाने में होती है मुश्किल

प्रदर्शनी के संचालक शर्ली बेन–डोर एवियन का कहना है, शचित्रलिपियों के जरिए तत्कालीन इतिहास को समझाने में आम तौर पर मुझे बहुत मुश्किल होती है। फिर मुझे ख्याल आया कि इस दौर में हम अपने मनोभाव जताने के लिए तस्वीरों या इमोजी का काफी प्रयोग करते हैं। ऐसे में कुछ इमोजी ऐसे भी है जिनकी चित्रलिपियों से काफी समानता है।श उन्होंने कहा कि 1990 के दौर से ही हम ऐसे चित्रों और इमोजी का प्रयोग करते रहे हैं।

चित्रलिपियों और मौजूदा इमोजी में काफी समानता

प्रदर्शनी के संचालक ने कहा कि इंसान के मूल मनोभाव को व्यक्त करने के लिए कुछ भाव–भंगिमा हमेशा समान रहते हैं।

ब्रेग्जिट के अवसर पर बिग बेन का होगा घंटानाद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन की राजधानी स्थित बिग बेन को 31 जनवरी को ब्रेग्जिट के अवसर पर इस्तेमाल कर घंटानाद किया जा सकता है। अगले साल के पहले महीने का आखिरी दिन ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से अलग होने (ब्रेग्जिट) की समयसीमा है। बिग–बेन टेम्स नदी के किनारे एलिजाबेथ टॉवर में स्थित प्रसिद्ध घड़ी एवं घंटी है। मरम्मत कार्य के चलते यह अभी लगभग बंद है। हालांकि हाउस ऑफ कॉमंस अध्यक्ष लिडंसे होयले की अनुमति से इसे विशेष आयोजन के लिए अस्थायी रूप से दुरुस्त किया जा सकता है।

जमाल खशोगी मर्डर केसः सऊदी की कोर्ट ने 5 को सुनाई फांसी की सजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रियाद। अमेरिका में रह रहे सऊदी अरब के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या मामले में सऊदी अरब की कोर्ट ने 5 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। पत्रकार खशोगी मर्डर केस में पांच को मौत की सजा के साथ तीन लोगों को 24 साल की कैद की सजा भी सुनाई गई है। क्राउन प्रिंस के कठोर आलोचक रहे खशोगी की हत्या तुर्की में सऊदी के वाणिज्य दूतावास में कर दी गई थी। इस हत्या के बाद दुनियाभर में सऊदी के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे।

सऊदी की एक अदालत में इस हत्या केस की सुनवाई चली। कोर्ट ने अपने फैसले में खशोगी

3 को 24 साल कैद की सजा सुनाई

के हत्याकांड में पांच को फांसी की सजा सुनाई है। हत्याकांड को अंजाम देनेवालों में तीन दोषियों को 24 साल की कैद की सजा भी सुनाई गई। बता दें कि इसी साल अक्टूबर महीने में तुर्की के एक अखबार में कथित तौर पर खशोगी के अंतिम शब्दों की रिकॉर्डिंग जारी की थी।

2 अक्टूबर 2018 को आखिरी बार दिखे थे पत्रकार खशोगी

खशोगी वॉशिंगटन पोस्ट अखबार के लिए एक स्तंभ लिखते थे और गायब होने से पहले अमेरिका में रहते थे। उन्हें अंतिम बार 2 अक्टूबर 2018 को इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में प्रवेश करते देखा गया था, जहां वह तुर्की की अपनी मंगेतर से शादी करने के लिए कुछ कागजात लेने गए थे। उनकी विवादास्पद मौत के बाद सऊदी अरब दुनिया के निशाने पर आ गया। सऊदी अरब ने उनके गायब होने के बारे में परस्पर विरोधी सूचना जारी की। सबाह ने इस सप्ताह खशोगी की हत्या को लेकर 2 नए रिपोर्ट प्रकाशित किए हैं। उनके नवीनतम रिपोर्ट में कथित रिकॉर्डिंग की विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। इसमें सऊदी अरब की ओर से भेजा गया एक फरेंसिक विशेषज्ञ खशोगी के दूतावास आने से पहले कथित तौर पर उन्हें कुबार्नी दिए जाने वाला पशु बताता है।

आतंकी वित्तपोषण मामले में हाफिज सईद के खिलाफ लाहौर में सुनवाई शुरू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। मुंबई आतंकी हमले के मुख्य षड़यंत्रकारी हाफिज सईद के खिलाफ बहुप्रतीक्षित सुनवाई यहां शुक्रवार को शुरू हुई और आतंकवाद निरोधक अदालत में एक गवाह ने उसके खिलाफ गवाही दी। इस अदालत ने उसे आतंकी वित्तपोषण के एक अन्य मामले में भी दोषी पाया है। सईद पर अदालती कार्रवाई के लिए पाकिस्तान पर भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव है। लाहौर में आतंकवाद निरोधक अदालत (एटीसी) ने 11 दिसंबर को सईद और उसके तीन प्रमुख सहयोगियों हाफिज अब्दुल सलाम बिन मुहम्मद, मुहम्मद अशरफ और जफर इकबाल को आतंकी वित्तपोषण के आरोप में दोषी ठहराया था। अदालत के एक अधिकारी ने सुनवाई के बाद पीटीआई–भाषा को बताया, "पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग ने आतंकवाद निरोधक अदालत में एक गवाह को प्रस्तुत किया, जिसने आतंकी वित्तपोषण में सईद और उसके तीन साथियों के खिलाफ गवाही दी।" सईद और उसके साथियों को सख्त सुरक्षा के बीच एटीसी में लाया गया और सुनवाई के दौरान पत्रकारों को अदालत में आने की इजाजत नहीं दी गई।